

---

# Shri Samartha Ramadasa Stotram

---

## श्रीसमर्थरामदासस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Samartha Ramadasa Stotram 2

File name : samartharAmadAsastotram2.itx

Category : deities\_misc, gurudev, varadAnanda

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Varadananda Bharati (Pracharya A. D. Athavale)

Transliterated by : Arun Parlikar

Proofread by : Arun Parlikar

Description/comments : bhAvArchanA

Acknowledge-Permission: Shri Dasganu Maharaj Pratishthan, Gorte <https://www.santkavidasganu.org>

Latest update : May 19, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसमर्थरामदासस्तोत्रम्



ॐ श्री ।

श्रीशङ्कर ॥

समर्थपदवीभाजं महोत्साहधृतिप्रियम् ।

सद्गुरुं परमानन्दं रामदासं नमाम्यहम् ॥ १ ॥

भक्त स न विभक्तो यो भक्तलक्षणमुत्तमम् ।

धीमता येन चोक्तं तं रामदासं नमाम्यहम् ॥ २ ॥

ग्रन्थराज दासबोधं प्रपञ्च परमार्थयोः ।

बोधकं कृतवान् यस्तं रामदासं नमाम्यहम् ॥ ३ ॥

देशोत्थानोपनिषदं आनन्दवनभूवनम् ।

दृष्टं येनोद्बोधकं तं रामदासं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

विरागिणा कृता येन शिवछत्रपतेः स्तुतिः ।

प्रबोधनाय हिन्दूनां रामदासं नमामि तम् ॥ ५ ॥

विवेकगुरुता येन नैकदा प्रगटीकृता ।

राजकारणधर्मज्ञं रामदासं नमामि तम् ॥ ६ ॥

जनस्वभावगोस्वामिस्वरूपोद्घाटनक्षमम् ।

लोकभ्रमापहर्तारं रामदासं नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

रामभक्तं सतांवर्यं विरक्तं हितकारिणम् ।

मनोबोधप्रणेतारं रामदासं नमाम्यहम् ॥ ८ ॥

लोकसङ्ग्रहकर्तारं सत्यभक्तिप्रकाशकम् ।

निस्पृहं ब्रह्मनिष्ठं तं रामदासं नमाम्यहम् ॥ ९ ॥

हनूमान् आगतः साक्षात् नतकल्याणहेतवे ।

यस्य रूपेण तं वन्दे रामदासं तपोनिधीम् ॥ १० ॥

कर्मभक्तिज्ञानरूपा साधना योग संयुता ।  
येन सम्यक्तयाऽऽख्याता रामदासं नमाम्यहम् ॥ ११ ॥  
यत्नायत्तं नृणां भाग्यं यत्नदेवो भवानिशम् ।  
एवं सम्बोधिताः भ्रान्ताः रामदासं नमाम्यहम् ॥ १२ ॥  
मा भैषीस्ते सहाय्योऽस्ति रामः शस्त्रभृतांवरः ।  
इत्याश्वस्ता येन सर्वे रामदासं नमामि तम् ॥ १३ ॥  
धीरतावीरताकार्यक्षमतानां प्रवर्तकम् ।  
सज्जनानन्दसन्दोहं रामदासं नमाम्यहम् ॥ १४ ॥  
प्रेरणां राष्ट्रक्षार्थं नेतृभ्यो देहि भोः प्रभोः ।  
त्वमेव शरणं नान्यः प्रार्थनां मा वृथां कुरु ॥ १५ ॥  
इति स्वामी वरदानन्दभारतीविरचितं श्रीसमर्थरामदासस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
भावार्चना (प्राचार्य अ. दा. आठवले)

<https://www.santkavidasganu.org>,

[https://www.youtube.com/@varad-](https://www.youtube.com/@varad-vani1496)


vani1496

Encoded and proofread by Arun Parlikar

---

——  
*Shri Samartha Ramadasa Stotram*

pdf was typeset on May 19, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

